प्रेरणास्थान

मा. डॉ. गोपाळराव पाटील
अध्यक्ष, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

मा. डॉ. पंढरीनाथ देशमुख
उपाध्यक्ष, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

मा. प्राचार्य अनिरुद्ध जाधव
सचिव, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

मा. श्री. गोपाळ शिंदे
सहसचिव, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

मा. ॲड. सुनील सोनवणे
सहसचिव, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

मा. डॉ. रावसाहेब कावळे
सदस्य, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

राष्ट्रीय सलाहकार समिति

डॉ. अनुजा जाधव, लातूर
डॉ. प्रशांत देशमुख, शेंदुर्णी
डॉ. कामाजी डक, औरंगाबाद
डॉ. कविता तातेड, यवतमाळ
डॉ. अरविंद सोनटक्के, भोकर
डॉ. रवी सातभाई, बीड
डॉ. राज ताडेराव, फोंडाघाट
डॉ. मुकुंद देवर्षी, बीड
डॉ. अंजली वेखंडे, नाशिक
डॉ. नम्रता भोसले, औरंगाबाद
डॉ. सुरेश फुले, लातूर
डॉ. सुनिल पुरी, औसा
डॉ. विजय कुलकर्णी, देगलुर
डॉ. विजया साखर, कंधार
डॉ. प्रमोद चव्हाण, लातूर
डॉ. राजकुमार कांबळे, लातूर

डॉ. पल्लवी पाटील, लातूर
डॉ. नितिन सराफ, अमरावती
डॉ. व्यंकटेश लांब, औरंगाबाद
डॉ. दीपक लोनकर, चंद्रपुर
डॉ. नरेंद्र देशमुख, बाभळगाव
डॉ. धनंजय चौधरी, जळगाव
डॉ. जयश्री कुलकर्णी, उस्मानाबाद
डॉ. सचिन हंचाटे, औराद शहाजनी
डॉ. गणपत गट्टी, बीड
डॉ. शिवराज बोकडे, नांदेड
डॉ. बाबासाहेब शेप, परळी
प्रा. महेश जाधव, परभणी
डॉ. सदाशिव दंदे, लातूर
डॉ. पिंपळपल्ले, हिंगोली
डॉ. बेंजलवार एस.जी. निलंगा
डॉ. तुकाराम बोकारे, हादगाव

संयोजन समिति

डॉ. ए. जे. राजू
उपप्राचार्य

प्रा.सदाशिव शिंदे
उपप्राचार्य

प्रा. सुचेता वाघमारे
उपप्राचार्य

डॉ. अभिजीत यादव
आय.क्यू.ए.सी. समन्वयक

डॉ. संभाजी पाटील
कला शाखा समन्वयक

प्रा. राहूल आठवले
प्लेसमेंट ऑफिसर

लेफ्ट. डॉ. अर्चना टाक
इतिहास विभागाध्यक्ष
मो. ९८५००८२४०३

सुनिता भोसले
सहाय्यक प्राध्यापक,
मो. ९५५२१४२६६३

प्रा. विजय गवळी
अध्यापक, हिंदी विभाग
मो. ९०४९१७७८७३

प्रा. सुदर्शन पाटील
राज्यशास्त्र विभाग
९७३०६८२३१६

डॉ. गोविंद ऊफाडे
मराठी विभाग

डॉ. प्रियदर्शनी पाटील
अध्यापक, इतिहास विभाग

प्रा. ज्ञानेश्वर बनसोडे
राज्यशास्त्र विभाग

श्री.सतीश चव्हाण
प्रबंधक

श्री.जगन्नाथ क्षीरसागर
कार्यालय अधिक्षक

उद्घाटन समारोह : सुबह १०.०० से १२.००

अध्यक्ष :
मा. डॉ. गोपाळराव पाटील
अध्यक्ष, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर

उद्घाटक
मा. डॉ. बालमुकुन्दजी पांडे
राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली.

बीजभाषक
मा. डॉ. ओमजी उपाध्याय
निदेशक, शोध एवं प्रशासन, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

प्रमुख अतिथि
मा. डॉ. राधाकृष्ण जोशी
अध्यक्ष, इतिहास संकलन संस्था, महाराष्ट्र

प्रथम सत्र : दोपहर १२.०० ते २.००

प्रमुख अतिथि :
मा. डॉ. सतिश कदम
अध्यक्ष, महाराष्ट्र इतिहास परिषद
सत्राध्यक्ष
मा. डॉ. लहू गायकवाड
सहयोगी प्राध्यापक, कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, नारायणगाव, ता. जुन्नर जि. पुणे

भोजनावकाश : दोपहर ०२.०० से ०२.३०

व्दितीय सत्र : दोपहर ०२.३० से ०४.३०

प्रमुख अतिथि :
मा. डॉ. सोमनाथ रोडे
माजी प्राचार्य, महात्मा बसवेश्वर महाविद्यालय, लातूर
सत्राध्यक्ष :
मा. डॉ. प्रशांत देशमुख
सहयोगी प्राध्यापक, ए.बी. गरूड महाविद्यालय, शेंदुर्णी, जि. जळगाव

समारोप समारोह : सायं.४.३० ते ६.००

अध्यक्ष
मा. प्राचार्य अनिरूध्द जाधव
सचिव, शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर
प्रमुख अतिथि :
मा. डॉ. अरूणचंद पाठक
वरिष्ठ सलाहकार, पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय,
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, पुणे

स्थल : सभागृह
राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर - ४१३५१२

ICHR

स्थापना - १९७०

शिव छत्रपति शिक्षण संस्था, लातूर द्वारा संचलित

राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

एवं

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली से संलग्न

इतिहास संकलन संस्था, महाराष्ट्र
एवं
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वावधान में

आजादी के ७५ वर्ष अमृत महोत्सव के अवसर हेतू
आयोजित

एकदिवसीय आंतरविद्याशाखीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

"भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं मराठवाडा मुक्ति संग्राम"

शुक्रवार, दि. १७ सितम्बर २०२१

संयोजक

डॉ. महादेव गव्हाणे
प्राचार्य

राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर
इतिहास विभाग
राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर
फोन: ०२३८२ – २४५९३३ Fax:०२३८२ – २५३६४५
Website:www.shahucollegelatur.org.in

प्रिय इतिहासप्रेमी,
सविनय नमस्कार.

अत्यंत हर्ष के साथ आपको अवगत करते है कि, शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान, लातूर द्वारा संचलित राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर का इतिहास विभाग एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली से सलंग्न इतिहास संकलन योजना, महाराष्ट्र (देवगिरी प्रांत) एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में **आजादी के ७५ वर्ष अमृत महोत्सव के अवसर हेतू शुक्रवार, दि. १७ सितम्बर २०२१ को "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं मराठवाडा मुक्ति संग्राम" इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सुनिश्चित हुआ है।**

शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान लातूर :

शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान, लातूर की स्थापना वंचित लोगों के कल्याण के लिए की गई थी। १९६० के दशक के दौरान मराठवाडा क्षेत्र के लोग शैक्षिक रूप से पिछडे, और अज्ञानी तो थे ही। तो साथ ही सभ्य जीवन जिने के लिए आवश्यक सभी सुविधाओं का अभाव था। इन लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उन्हें मुख्य प्रवाह में लाने की इच्छा ने हमारे मन को प्रज्वलित किया। उत्कृष्टता के आदर्श वाक्य के साथ, लातूर में शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान की स्थापना १९६८ में कुछ पढे-लिखे सहयोगियों के साथ हुई थी, और आज तक संस्थान के पदाधिकारी वही है। वर्तमान में सात शाखाएँ अपने क्षेत्र के ग्रामीण छात्रों को ज्ञान का प्रकाश देकर उन्हें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा रहे है।

राजर्षि शाहू महाविद्यालय स्वायत्त, लातूर:

राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर, शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान का उच्च शिक्षण विभाग, संस्थान, १९७० में स्थापित किया गया था। हमारा उद्देश्य क्षेत्र के वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। हमारा महाविद्यालय अकादमिक स्वायत्तता, बहुलता, विशिष्टता और नेतृत्व के लिए जाना जाता हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हमारे प्रयोगों, उत्कृष्टता और योग्यता की परंपरा ने शाहू पैटर्न का निर्माण किया है। शाहू पॅटर्न समर्पण, प्रेरित शिक्षकों द्वारा निरंतर और अथक प्रयास है। शाहू पैटर्न को व्यापक रूप से शिक्षा के लातूर पैटर्न के रूप में जाना जाता है। इस पैटर्न ने बोर्ड और विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले सैकड़ों उच्च गुणवत्ताधारक छात्रों को आकार दिया है और हमें इस क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों में से एक बना दिया है। इस महाविद्यालय से हर साल ५०० से ६०० छात्र भारत के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेते हैं। यह वह महाविद्यालय है, जहाँ से भारत में सबसे ज्यादा छात्र मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में जाते हैं। शिक्षा में अभिनव प्रयोग करने और प्रयोग में निरंतरता बनाए रखने के लिए, हमारा पहला संस्थान है, जिसने २०१३ में मराठवाड़ा क्षेत्र में अकादमिक स्वायत्तता को स्वीकार किया है।

इतिहास विभाग :

इतिहास विभाग महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण विभाग है। विद्यार्थियों के मन में इस विषय के प्रति रुची, जिज्ञासा एवं जागरूकता निर्माण हो, इसी उद्देश्य से विभाग द्वारा प्रति वर्ष विभिन्न गतीविधियों का आयोजन किया जाता है, जिसमें इतिहास असोसिएशन की स्थापना, अतिथियों द्वारा व्याख्यान, शैक्षिक अध्ययन टूर्स, परियोजना लेखन एवं विभिन्न प्रतियोगिताएँ शामिल होती है। इसके अलावा मोडी लिपि अध्ययन का प्रशिक्षण वर्ग प्रति-वर्ष आयोजित किया जाता है। इतिहास विभाग का एक स्वतंत्र ग्रंथालय भी है। इसके माध्यम से छात्रों को अध्ययन के लिये संदर्भ पुस्तक प्रदान किए जाते है। महाविद्यालय द्वारा **छत्रपति शिवाजी ऐतिहासिक वस्तुसंग्रहालय** की स्थापना की गई है। इतिहास विभाग लातूर जिले के ऐतिहासिक अवशेषों को संकलित करने का कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा अब तक १३४८ सिक्के, तीन ताम्रपत्र, पांडूलिपियाँ, राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक इतिहास के साक्ष्य एकत्र किए गए है।

इतिहास संकलन संस्था, महाराष्ट्र :

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली यह इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत विद्वानों का एक संगठन है, जो इतिहास, संस्कृति, परम्परा आदि के क्षेत्र में कार्य करता है। सन १९७३ में श्री. मोरेश्वर नीलकंठ पिंगळे जी की प्रेरणा से नागपूर में बाबासाहेब आपटे जी की स्मृति में इसकी स्थापना की गई। यह संस्था भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व से संबंधित अनुसंधानो को प्रोत्साहित करने के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसी के निर्देशानुसार कार्यरत इतिहास संकलन संस्था यह महाराष्ट्र में इतिहास के क्षेत्र में कार्य करनेवाली एक अग्रगण्य संस्था है।

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली :

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् यह शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है। इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा दिसंबर १९७१ में गठित एक कार्यदल की संस्तुति पर शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (अब, शिक्षा मंत्रालय) ने २७ मार्च १९७२ को की है। इस संस्थान ने इतिहास के क्षेत्र में शोध को उचित दिशा देकर वस्तुपुरक एवं वैज्ञानिक इतिहास लेखन को बढावा देने का काम किया है। दिल्ली में मुख्यालय के अलावा पूर्वीय क्षेत्र के लिए गुवाहाटी में, दक्षिणी क्षेत्र के लिए बंगलोर में एवं पश्चिमी क्षेत्र के के लिए पुणे में इस परिषद की शाखाएँ कार्यरत है। यह शाखाएँ परिषद् की विभिन्न शोध परीयोजनाओं में सक्रिय रहकर परिषद् के कार्यों को समर्थित कर रही है। भारत के इतिहास में वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा मिल सके यही इसका उद्देश्य है।

परिषद :

हैद्राबाद के स्वतंत्रता संग्राम को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक गौरवशाली, रोमांचकारी संग्राम के रूप में दर्ज किया गया है। यह संग्राम इतना शानदार और शक्तिशाली है कि, इसकी तुलना भारतीय स्वतंत्रता के किसी भी पर्व से की जा सकती है। इसमें हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने हिस्सा लिया। कई लोगों को अपनी जान कुर्बान करनी पडी। इस संग्राम को कई राजनीतिक उथल-पुथल और कडवे विरोध का सामना करना पडा। स्वतंत्रता सेनानियो और रझाकारो के बीच हुए संघर्षो को छोडकर, यह मराठवाडा मुक्ति संग्राम धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त पर आधारित था। १५ अगस्त १९४७ को भारत को स्वतंत्रता मिली। भारत को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में विश्व के इतिहास में दर्ज किया गया था, लेकिन यह मान लेना कि यह स्वतंत्रता पूर्ण स्वतंत्रता थी, इतिहास पर आधारित नही होगा। क्योंकि स्वतंत्र भारत का तिरंगा झंडा दिल्ली के लाल किले पर फहराया गया था, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में लोग औपनिवेशिक वर्चस्व और अत्याचार के अधीन थे। इनमें से लगभग सभी संस्थानों का स्वतंत्र भारत में विलय हो गया था। लेकिन कश्मीर, जुनागढ और हैद्राबाद के निजाम स्वतंत्र भारत में विलय नही हुए थे। हैद्राबाद संस्थान का स्वतंत्र रहना केवल लोगो के ही नहीं बल्कि पूरे देश के हित में बाधा डालनेवाला था। भारत की स्वतंत्रता हैद्राबाद संस्थान के भारत में विलय के बगैर पुरी नही होने वाली थी। संस्थान के भारत में विलय के लिए हैद्राबाद के लोगों के सत्याग्रह और सशस्त्र आंदोलन को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में **"मराठवाडा मुक्ति संग्राम"** के रूप में जाना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता को ७५ वर्ष पूरे हो रहे है। इस सम्मेलन का उद्देश्य स्वतंत्रता की इस अमृत वर्षगांठ के अवसर पर इन महेत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को उजागर करना, सभी को प्रेरित करना और अब तक उपेक्षित घटको पर शोध करना यही है।

तथापि आपसे अनुरोध है कि, निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर या उससे संबंधित शोधनिबंध लिखकर भेजे।

शोधनिबंध के उपविषय

१. हैद्राबाद संस्थान में राष्ट्रवाद का उदय
२. अंग्रेजों द्वारा प्रतिबंधित साहित्य एवं साहित्यिक
३. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में छात्र आंदोलन
४. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में रेडीओ केंद्र का योगदान
५. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में शहीदों का योगदान
६. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान
७. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में महिलाओं का योगदान
८. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में समाचारपत्रों का योगदान
९. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में विभन्न संगठनों का योगदान
१०. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में नेताओं का योगदान
११. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में जन आंदोलन
१२. मराठवाडा मुक्ता संग्राम में सत्याग्रह आंदोलन
१३. मराठवाडा मुक्ति संग्राम में शैक्षिक आंदोलन

शोधनिबंध के बारे में सूचनाए :

१. शोधनिबंध पर शोधार्थी का नाम, पता, इमेल, मोबाईल क्रमांक लिखना आवश्यक है।
२. शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया शोधनिबंध इससे पूर्व किसी अन्य ग्रंथ में प्रकाशित नही होना चाहिए।
३. शोधनिबंध स्वलिखित होना चाहिए। शोधकर्ता इस बात का ध्यान रखें कि, कॉपीराईट के नियमो का उल्लंघन ना हो।
४. शोधनिबंध ०१ सितम्बर २०२१ तक निम्नलिखित इ-मेल पते पर भेजिए।
rsmlhistorycon2021@gmail.com
५. शोधनिबंध MS Word File में निम्नलिखित Font में मुद्रित होने चाहिए।
English – Times New Roman Fònt Size -14
मराठी एवम हिंदी –Unicode Arial/Mangal DVB-TT Surekh
Kruti Dev10/50/55 – Font Size 16
६. शोधनिबंध शोधांकन इस International Half Yearly Peer Reviewed Referred Research Journal (ISSN-2250-0383, IF-0.421) में प्रकाशित किऐ जायेंगे।
७. शोधार्थी अपने शोधनिबंध मराठी, हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में भेज सकते है।

शोधनिबंध भेजने की अंतीम तिथि ०१ सितंबर, २०२१

Registration Fees700/-

Account Name Principal, Rajarshi Shahu Mahavidyalaya
(Autonomous), Latur

Bank Name	**Canara Bank**
Branch Name	**Chandra Nagar, Latur**
Account No.	**8576201000107**
IFSC Code	**CNRB0008576**